class 9th
sub hindi
date 13/4/20

# निबंध

... फीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा।

## आज की बचत, कल का सुख

**प्रस्तावना**

आज समाज में उपभोक्ता संस्कृति का प्रचार-प्रसार होने से सामाजिक ढाँचे में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। पुरानी पीढ़ी की सोच 'सादा जीवन, उच्च विचार' नई पीढ़ी में बदलने लगी है। आज लोग अपनी सुख-सुविधाओं के लिए आमदनी से अधिक खर्च करने लगे हैं, जिसके कारण जीवन में अर्थाभाव बना रहता है। मनुष्य के ऊपर कर्ज़ हो जाता है और व्यक्ति अनेक मानसिक परेशानियों का शिकार हो जाता है।

**भौतिकवादी दृष्टिकोण**

नई पीढ़ी भौतिकवादी दृष्टिकोण की पक्षधर होती जा रही है। उनकी सोच 'Eat, drink and be merry' अर्थात् 'खाओ, पीओ और मौज मनाओ' के सिद्धांत पर आधारित हो चली है। महँगे मोबाइल, कार, कपड़े, जूते, प्रसाधन-सामग्री आदि के लिए लोग पागल हो रहे हैं। विज्ञापित और ब्रांडेड वस्तुओं की चाहत में आज का युवावर्ग कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाता है। अपनी इच्छा पूरी करने के लिए उसे न अपने चरित्र का ध्यान रहता है और न ही कर्तव्यों का। स्वार्थ में डूबा आज का युवा बचत जैसी कोई योजना नहीं अपनाता। मेहनत से अर्जित धन बर्बाद करता हुआ, वह विनाश की ओर बढ़ता जाता है।

**बचत के लाभ**

बचत का तात्पर्य यह बिल्कुल नहीं है कि व्यक्ति अपनी सुख-सुविधा को एक ओर रखकर केवल धन-संचय करने में लगा रहे। यहाँ बचत से तात्पर्य है कि व्यक्ति अपनी आय में से सभी खर्चों को पूरा करने के बाद भी कुछ बचाने की चेष्टा करे। वह अपने खर्चों को इस प्रकार निर्धारित करे कि उसको कभी किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। आज की अल्प बचत भी भविष्य में एक बड़ी राशि बन जाती है। कहा जाता है कि

*"बूँद-बूँद से भी घड़ा भर जाता है।"*

**उपसंहार**

आज खर्च के जितने कारण हैं, बचत के उतने उपाय भी हैं। बुद्धिमान मनुष्य उनमें से किसी भी साधन को अपनाकर बचत कर सकता है। बैंकों, बीमा योजनाओं, म्यूचुअल फंड आदि उपायों से बचत करने पर धन केवल बचाया ही नहीं जाता वरन् ब्याज़ मिलने से बढ़ाया भी जाता है। अपनी जमाराशि को व्यक्ति जब चाहे उपयोग में ला सकता है। बचत के अनेकानेक लाभों को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को बचत करनी चाहिए और जीवन को सही मार्ग पर ले जाना चाहिए।